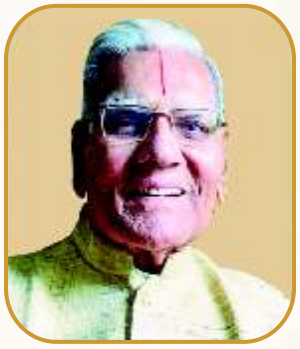

SHRI RAMESHWARLAL KABRA

Entrepreneur, Management Guru and a Leader par excellence, Shri Rameshwarlal Kabra is the Founding Chairman of RR Global - one of India's largest conglomerates spread across multiple verticals from Wires & Cables, Automated Car Parking Systems, Electricals & Infrastructure. Under his vision & guidance, RR Global has spread its footprint to more than 80 countries worldwide, employing over 4000 people with a turnover of close to a Billion Dollars.

2. Born on November 13, 1933, in the town of Sherpur in erstwhile Bengal (now Bangladesh), Shri Kabra grew up in a predominantly affluent family. However, during the bitter partition of 1947, like millions of others, he too had to leave everything behind and eventually migrated to Biratnagar, Nepal. With the limited opportunities Nepal presented, the entrepreneur in him found his way in to India in 1963. He was highly influenced by the great leaders of the time and was actively involved in both Social and National causes, a trait that only developed with time.

3. These same beliefs now transpire into RR Global's philosophy of innovation, trust and complete transparency. This has lead the group to grow from a small trading house to one of India's leading Wires & Cables company under the brand RR Kabel and further diversifying into Electrical Appliances & Accessories, Chemicals and Multi Level Mechanical Automated Car Parking solutions provider and an Export House, catering to a host of clients – both in India & across the world addressing their needs with innovative products and solutions.

4. One of the key elements that made Shri Kabra an industry Stalwart recognized by every institution he has served and elevated RR Global to a Multinational is the focus on delivering products of the highest quality and safety. This, he ensured by hiring the most qualified individuals, investing in rigorous R&D & utilizing state-of-the-art technology to benefit Indian consumers by offering products which meet global standards of safety.

5. Shri Kabra has always upheld the importance of Indian tradition & nationalism even in modern times. He holds multiple social positions of importance; he is the trustee of the Maharshi Vedavyas Pratishthan, an organization which works towards teaching philosophy of our Vedas. He is also trustee of Brahma Savitri Vidhyapeeth and was a key figure in establishing the Ram Ratna Vidya Mandir, a Gurukul style school, setting an example for others to follow. He also helped establish the Ram Ratna International School which is now recognised by the Prestigious Cambridge University. He has served as President of Friends of Tribals Society (Vanbandhu Parishad) which today runs 60000 one teacher schools – known as Ekal Movement, reaching out to the most remote part of our country and improving life of tribal villagers. He strongly believes that education is the key to establishing a strong foundation for a successful nation.

6. Shri Kabra has been bestowed with a number of awards. He was honoured by Mumbai Metal Exchange for his immense contribution to the Industry. In 1980, he was nominated as Special Executive Magistrate by the Government of Maharashtra. He was also conferred with the Rajasthan Ratna by the Rajasthan Charitable Trust as well as the Swami Vivekanand Puruskar for his selfless contribution to society at large. In 2016, he was honoured with the Bharat Gaurav Samman by Maheshwari Samaj.

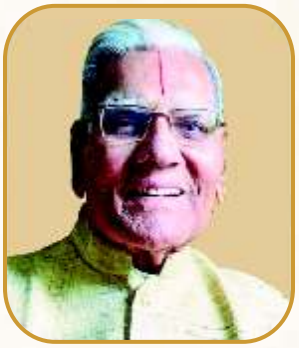

श्री रामेश्वरलाल काबरा

व्यवसायी, प्रबंधन गुरू तथा सर्वोत्कृष्ट अधिनायक, श्री रामेश्वरलाल काबरा, आर आर ग्लोबल के संस्थापक अध्यक्ष हैं, जो वायर्स एंड केबलस् स्वचलित कार पार्किंग प्रणाली, इलेक्ट्रीकल्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में विभिन्न शाखाओं के रूप में भारत की सबसे बड़ी कम्पनियों का समूह है। आपकी दूरदर्शिता और मार्गदर्शन में आर आर ग्लोबल ने विश्वभर में 80 से अधिक देशों में अपनी जड़े फैला दी है, 4000 से अधिक लोगों को रोजगार दिया और इसका कुल कारोबार एक अरब डॉलर के करीब है।

2. आपका जन्म 13 नवबंर, 1933 को पूर्व बंगाल (अब बांगलादेश) के शरेपुर कस्बे में हुआ था, आप एक बेहद धनाढ्य परिवार में पल-बढ़े। हालांकि 1947 के पीड़ादायक बंटवारे के दौरान अन्य लाखों लोगों की तरह आपको अपना सब कुछ छोड़कर अंतत: बीरतनगर, नेपाल में जाकर बसना पड़ा। नेपाल में उपलब्ध सीमित अवसरों के कारण आपके भीतर के व्यवसायी गुण ने आपको 1963 में भारत की राह दिखाई। आप अपने समय के महान नेताओं से बहुत प्रभावित थे तथा सामाजिक और राष्ट्रीय कल्याण कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होते थे, यह खासियत समय के साथ और विकसित हुई।

3. यही धारणाएं आर आर ग्लोबल के अभिनव, निष्ठापूर्ण तथा समग्र पारदर्शिता के सिद्धांत में प्रतिबिंबित होती है। इसने इस समूह को एक छोटे व्यवसायिक प्रतिष्ठान से भारत की अग्रणी वायर्स एंड केबल कंपनी बना दिया है। आर आर केबल ब्रांड के अंतर्गत इलेक्ट्रीकल एप्लांसिस एंड एसेसरीज, केमिकल्स तथा मल्टी लेवल मेकेनिकल ऑटोमेटिड कार पार्किंग सोलुयशन्स प्रोवाइडर तथा एक एक्सपोर्ट हाउस के क्षेत्र में अपने कार्य क्षेत्र का विस्तार किया है और भारत तथा समग्र विश्व में अपने प्रगतिशील उत्पादों और साधनों से ग्राहकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उनकी सेवा में तत्पर है।

4. उच्चतम गुणवत्तापूर्ण तथा सुरक्षा उत्पादों के निर्माण पर ध्यान रहने के मूलभूत गुण ने आपको सभी संस्थानों से एक सशक्त उद्यमी के रूप में पहचान दिखाई। आपने आर आर ग्लोबल के लिए काम किया और इसे बहुराष्ट्रीय कंपनी की ऊंचाइयों तक ले गए। ऐसा आपने अत्यधिक योग्य व्यक्तियों को काम पर रखकर, गहन शोध एवं विकास में निवेश के जरिए तथा अत्याधुनिक तकनीकी प्रयोग से भारतीय ग्राहको को ऐसे उत्पाद उपलब्ध कराकर किया है जो कि सुरक्षा के वैश्विक मानकों पर खरे उतरते हैं।

5. आज के आधुनिक युग में भी आपने हमेशा भारतीय परम्परा तथा राष्ट्रीयता के महत्व का समर्थन किया है। आप सामाजिक प्रतिष्ठा के बहुत से पद धारण किए हुए हैं; आप महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान के संरक्षक हैं जो एक ऐसा संगठन है जो हमारे वेदों के उपदेशों के सिद्धांतों के लिए कार्य करता है। आप ब्रह्मा सावित्री विद्यापीठ के भी संरक्षक है और गुरूकुल पद्धति के विद्यालय "राम रत्न विद्या मंदिर" की स्थापना में आपका अग्रणी स्थान है। आपने दूसरों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। आपने राम रतन इंटरनेशनल स्कूल की स्थापना करने में भी सहायता की है जिसको प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। आपने बनबंधु परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दी है जो वर्तमान समय में 60000 एकल अध्यापक स्कूल चला रही हैं -जिसे एकल आंदोलन के रूप में जाना जाता है, जो हमारे देश के दूरस्थ इलाकों तक पहुंचकर जनजातीय ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाने का कार्य कर रही है। आपका मानना है कि सम्पन्न राष्ट्र की मजबूत नींव के लिए शिक्षा मूलभूत तत्व है।

6. आपको कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपको उद्योग में आपके अपरिमित योगदान के लिए मुम्बई मेटल एक्सचेंज द्वारा सम्मानित किया गया। 1980 में, आपको महाराष्ट्र सरकार द्वारा विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के रूप में मनोनीत किया गया। आपको राजस्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा राजस्थान रत्न से पुरस्कृत किया गया है तथा समाज में व्यापक रूप से आपके निस्वार्थ योगदान के लिए स्वामी विवेकानंद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। 2016 में, आपको माहेश्वरी समाज द्वारा भारत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है।